बिहार राज्य के '' आर्थिक गणना–2005'' के पुस्तक पर कार्यशाला –सह– लोकार्पण समारोह होटल पाटलिपुत्र अशोक, वीरचन्द पटेल पथ, पटना में दिनांक–09.11.2011 का कार्यवाही प्रतिवेदन :–

उपस्थिति संलग्न।

माननीय डा0 हरि किशोर सिंह, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य योजना पर्षद, पटना के अध्यक्षता में ''पंचम आर्थिक गणना–2005'' के पुस्तक का लोकार्पण –सह– कार्यशाला संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम डा0 हरि किशोर सिंह, उपाध्यक्ष बिहार राज्य योजना पर्षद एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला –सह– लोकार्पण समारोह प्रारम्भ किया गया।

(i) डा0 हरि किशोर सिंह, उपाध्यक्ष बिहार राज्य योजना पर्षद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि प्रथम और द्वितीय पंचवर्षीय योजना के तहत ही बिहार में कारखानों की स्थापना हुई थी, बाद में तो उद्योग बंद होते गये। अब एक बार फिर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, की सरकार ने चीनी मिल सहित अन्य उद्योगों को पुनर्जिवित करने के लिए प्रयास शुरू किया है। छोटे और मंझोले उद्योगों की बिहार की स्थापना की काफी संभावनाएं हैं। बिहार से मजदूरों का पलायन रूका है। अन्त में डा0 सिंह ने कहा कि सूबे के विकास में बैंकों का रवैया भी नकारात्मक है तथा प्रगति के लिए आबादी को नियंत्रित करना जरूरी है।

(ii) योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय प्रकाश ने कहा कि 2012 के मई माह में छट्ठे आर्थिक गणना का क्षेत्रीय कार्य प्रारम्भ किया जायगा, उसमें बिहार के बदलाव की झलक होगी,राज्य के योजना निर्माण में आर्थिक गणना महत्वपूर्ण योगदान देती है। आँकड़ों के अनुसार 2005 तक राज्य में 12.25 लाख उद्यम कार्यरत हैं, जो 1998 की चतुर्थ आर्थिक गणन की तुलना में 17.31 प्रतिशत अधिक है, इसमें 8.35 लाख उद्यम ग्रामीण तथा 3.89 लाख शहरी क्षेत्रों में है। लगभग 8.20 लाख उद्यम वगैर बाहरी श्रम, खुद या परिवार के सहयोग से संचालित है। 97 प्रतिशत उद्यम गैर कृषि तथा 3 प्रतिशत कृषि उद्यम की श्रेणी में चिन्हित है। इसमें कुल 22. 69 लाख कर्मी कार्यरत हैं इसमें 14 लाख ग्रामीण तथा 8.65 लाख शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक उद्यमी है। खुदरा व्यापार क्षेत्र में सबसे अधिक 55 प्रतिशत एवं विनिर्माण क्षेत्र में 44.30 प्रतिशत उद्यमी हैं। प्रधान सचिव ने बताया कि रिर्पोट के अनुसार 93 प्रतिशत उद्यम बिना बैंकों की सहायता से चल रही है। 63 प्रतिशत उद्यमों का निबंधन एक स्वागत योग्य कदम है। ''स्ववित्त पोषण'' के क्षेत्र में चतुर्थ गणना की तुलना में 10 प्रतिशत की कमी आयी है, जबकि 9 प्रतिशत रोजगार में वृद्धि हुई है।

(iii) श्री एम0 के0 शर्मा, परामर्शी, बिहार राज्य योजना पर्षद, पटना ने पुस्तक के आँकड़ों को आगे की योजना तैयार करने में उपयोगी बताया।

(iv) श्री पी0 पी0 घोष, निदेशक आद्री, पटना ने कहा कि रिर्पोट भले ही देर से आई हो लेकिन यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रतिवेदन है जिससे राज्य की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चल रही आर्थिक क्रिया–कलापों का पता चलता है। आगामी छट्ठे गणना में यह बदले बिहार

कि असली तस्वीर को प्रस्तुत करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। इन्होंने आशा व्यक्त की कि अगली प्रतिवेदन ससमय प्रकाशित किया जायगा।

(v) डा0 जितेन्द्र कुमार सिन्हा, संयुक्त निदेशक –सह– कार्यालय प्रधान ने बताया कि यह रिर्पोट अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है और सूबे की आर्थिक आधार के तस्वीर का वास्तविक प्रतिनिधित्व करती है। सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी केवल 10 (दस) फीसदी है जबकि गैर कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 90 फीसदी है। इसलिए बिहार की बेहतरी के लिए यह आवश्यक है कि गैर कृषि उद्यमी क्षेत्र पर भी सम्यक ध्यान दिया जाय।

(vi) प्रो0 रास बिहारी सिंह, विभागाध्यक्ष (भूगोल विभाग) ने कहा कि योजना एवं विकास विभाग के द्वारा इस प्रकार का कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, यह बड़ी प्रसन्नता की बात है। प्रस्तुत प्रतिवेदन को पूर्णतः पढ़ने के पश्चात सुझाव दे सकेंगे।

(vii) श्री टी0 एन0 झा, नवार्ड के अवकाश प्राप्त पदाधिकारी ने कहा है कि यह प्रकाशन बड़ा ही महत्वपूर्ण है, जो राज्य के उद्यमों एवं उसमें प्राप्त रोजगार की तस्वीर प्रस्तुत करता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस रिर्पोट से प्राप्त आँकड़ों पर विश्वविद्यालयों/शोध संस्थानों के एक चयनित वर्ग के विद्यार्थीयों द्वारा विश्लेषण किया जाना चाहिए, ताकि सुझावों के साथ कमियों को पूरा किया जा सके।

(viii) श्री विजय शंकर, उप निदेशक के द्वारा ''आर्थिक गणना–2005'' से प्राप्त आँकड़ों को सारणीयणों तथा ग्राफो द्वारा विस्तार रूप से प्रस्तुत किया गया। जिलावार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्यरत उद्यमों एवं उसमें संलग्न कामगारों की संख्या आदि को विस्तार से बताते हुए उन्होंने श्रोताओं के द्वारा उठाये गये प्रश्नों का भी निराकरण किया। उन्होंने कहा कि रिर्पोट के अनुसार बैंकों को ऋण जमा अनुपात (C.D.Ratio) बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि **Retail Sector** के अलावे अन्य आर्थिक क्षेत्रों में भी वृद्धि की आवश्यकता है।

(ix) श्री अशोक कुमार ठाकुर, संयुक्त निदेशक के द्वारा मंच पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों/विभिन्न विभागों से आये पदाधिकारियों/कर्मियों/विभिन्न विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों से आये प्राध्यापकों अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के सभी पदाधिकारियों/कर्मियों प्रेस तथा मीडिया के रिर्पोटरों के साथ–साथ होटल पाटलीपुत्र अशोक के सभी कर्मियों को समारोह में शामिल होने के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

(x) इसके उपरान्त सभा समाप्त की गई।

ह0/–

प्रधान सचिव,

योजना एवं विकास विभाग

बिहार, पटना।

ज्ञापांक–2248/पटना, दिनांक–14/12/11

प्रतिलिपि :– डॉ0 हरि किशोर सिंह, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य योजना पर्षद।

(ii)श्री विजय प्रकाश प्रधान सचिव, योजना एवं विकास विभाग बिहार, पटना।

(iii)सभी संयुक्त निदेशक/संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

(iv)सभी उप निदेशक

(v)सभी सहायक निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय बिहार, पटना।

(vi)सभी प्रतिभागी

14/12/11

(अशोक कुमार ठाकुर)
संयुक्त निदेशक,
आर्थिक गणना,
अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय,
बिहार, पटना।

बिहार राज्य के आर्थिक [illegible] 2005 [illegible]
कार्यशाला–सह–लोकार्पण समारोह में भाग लेने वाले उपस्थित उपाध्यक्ष
पदाधिकारी एवं अन्य की सूची :-

परिशिष्ट – ''क''

स्थल :-होटल पाटलिपुत्र अशोक, वीरचन्द पटेल पथ पटना। तिथि :-09.11.201

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग का नाम
1.	डॉ० हरिकिशोर सिंह	उपाध्यक्ष	बिहार राज्य योजना पर्षद
2.	श्री विजय प्रकाश	प्रधान सचिव	योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना।
3.	डा० जितेन्द्र कुमार सिन्हा,	संयुक्त निदेशक –सह– कार्यालय प्रधान	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
4.	श्री उपेन्द्र कुमार दास	संयुक्त निदेशक (कृषि)	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
5.	श्री अशोक कुमार ठाकुर	संयुक्त निदेशक (रान्यास)	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
6.	श्री अवध किशोर सिन्हा	संयुक्त निदेशक (जीवनांक)	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
7.	श्री विजय शंकर	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
8.	श्री शिवनन्दन यादव	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
9.	श्री शिवेन्द्र कुमार वर्मा	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
10.	श्री निर्भय कुमार	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
11.	श्री विष्णु दयाल पंडित	उप निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
12.	श्री प्रशान्त कुमार चौधरी	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
13.	श्री रतन कुमार सिन्हा	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
14.	श्री उदय प्रसाद सिंह	सहायक निदेशक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना
15.	श्री सुदामा कुमार	आई०टी० प्रबंधक	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना

बिहार राज्य के "आर्थिक गणना–2005" के पुस्तक पर ...ाला–सह–लोकार्पण समारोह में भाग लेने वाले उपस्थित प्रतिभागी की सूची :–

परिशिष्ट – "ख"

स्थल :–होटल पाटलिपुत्र अशोक, वीरचन्द पटेल पथ पटना। तिथि :–09.11.2011

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग का नाम
1.	श्री आर० के० शर्मा	परामर्शी	बिहार राज्य योजना पर्षद
2.	श्री पी०पी०घोष	निदेशक	आद्री, पटना बिहार राज्य योजना पर्षद
3.	श्री विद्याकान्त झा	उप निदेशक	बिहार राज्य योजना पर्षद
4.	प्रो० रासबिहारी सिंह	विभागाध्यक्ष	पटना विश्वविद्यालय, पटना
5.	श्री टी०एन०झा		सेवानिवृत नावार्ड
6.	शैलेन्द्र कुमार सिन्हा	अवर सचिव	अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार, पटना।
7.	श्री गरीब साहु	अपर सचिव	ग्रामीण एवं योजना विभाग
8.	श्री विजेन्द्र चौधरी	संयुक्त निदेशक	कृषि विभाग
9.	श्री राजीव कुमार	उप निदेशक	बिहार राज्य योजना एवं विकास विभाग
10.	श्री रवि शंकर	उप निदेशक	बिहार राज्य योजना एवं विकास विभाग
11.	श्री मनोरंजन कुमार सिन्हा	सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी	एम० आई०
12.	श्री राधा कृष्ण प्रसाद यादव	सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी	जीवनांक
13.	श्री महेन्द्रदेव महतो	सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी	टी० आर० एस०
14.	अशोक कुमार चौधरी	सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी	साधन
15.	श्रीमती ममता प्रसाद	कनीय सांख्यिकी सहायक	साधन एवं आर्थिक गणना
16.	श्री संजय कुमार	कनीय सांख्यिकी सहायक	डी० एस० ई० बिहार पटना
17.	श्रीमती लोचन कुमारी जैन	डाटा इन्ट्री ऑपरेटर	कम्प्यूटर शाखा

18.	श्रामता पूनम कुमारा	डाटा इन्ट्रा आपरटर	कम्प्यूटर शाखा
19.	प्रेम कुमार	एन०जी०ओ०	
20.	अनन्ना कुमार	एन०जी०ओ०	

बिहार राज्य के ''आर्थिक गणना–2005'' के पुस्तक पर कार्यशाला–सह–लोकार्पण समारोह में भाग लेने वाले उपस्थित प्रेस प्रतिनिधि की सूची :–

परिशिष्ट – ''ग''

स्थल :–होटल पाटलिपुत्र अशोक, वीरचन्द पटेल पथ पटना। तिथि :–09.11.2011			
क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग का नाम
1.	श्री लाल बाबु		पी०आर०डी०सूचना एवं जन संपर्क विभाग
2.	श्री ब्रजेश		राष्ट्रीय सहारा
3.	श्री जयप्रकाश		टेलीग्राफ
4.	श्री आनन्द राज		टेलीग्राफ
5.	नवल किशोर कुमार		आज
6.	संतोष कुमार		पिरदोर (उर्दू)
7.	अभिजीत पांडे		हिन्दुस्तान समाचार
8.	रोहित नागमण		दैनिक भास्कर
9.	जयनेन्द्र कुमार		नई दुनिया
10.	श्रीकान्त		हिन्दुस्तान
11.	पंकज कुमार सिंह		प्रभात खबर
12.	श्री विरेन्द्र कुमार		दैनिक जागरण
13.	अवनिश कुमार सिंह		दर्श न्यूज
14.	अनिल कुमार		अराधना न्यूज
15.	शमीम		संगम